बिहार सरकार

अग्नि आपदा से बचाव एवं पशुधन की रक्षा हेतु किये जाने वाले कार्य

पशुधन द्वारा
जीवन में गुणात्मक सुधार

क्या करें

- पशुशाला के पास आग बुझाने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी तथा बालू/मिट्टी रखा जाये।
- अगर पशुशाला में विद्युत आपूर्ति होती हो तो बिजली वायरिंग की समय–समय पर जाँच तथा मरम्मति करायी जानी चाहिए।
- फूस के बने हुए पशुशाला की दीवारों पर मिट्टी का लेप लगाना चाहिए।
- आग लगने पर आस–पड़ोस के लोगों के सहयोग से आग बुझाने का प्रयास करना चाहिए।
- आवश्यकता होने पर आग बुझाने के लिए फायर बिग्रेड एवं स्थानीय प्रशासन को सूचित किया जाना चाहिए।
- पशुओं के जलने पर तत्काल पूरे शरीर पर ठंढा पानी डालना चाहिए।
- शीघ्र ही स्थानीय पशु चिकित्सालय से सम्पर्क करना चाहिए।

क्या ना करें

- पशुशाला के पास दीपक, लालटेन, मोमबत्ती या आग नहीं रखना चाहिए।
- कटनी के बाद फसल अवशेषों को खेतों में नहीं जलाया जाना चाहिए।
- जलती हुई माचिस की तिली, बीड़ी–सिगरेट के जलते हुए टुकड़े, जलती हुई अगरबत्ती इत्यादि यत्र–तत्र नहीं फेंकना चाहिए।
- ठंढ से बचाव के लिए पशुओं को सिंथेटीक सामग्रियों से बने कपड़ों से नहीं ढ़कना चाहिए।
- पशुशाला संकरे एवं बंद स्थान पर नहीं बनाया जाना चाहिए।

पशुपालन निदेशालय, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, बिहार द्वारा जनहित में प्रकाशित